1200 1182 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

Beronica Khariain

Attested by
22-12-10

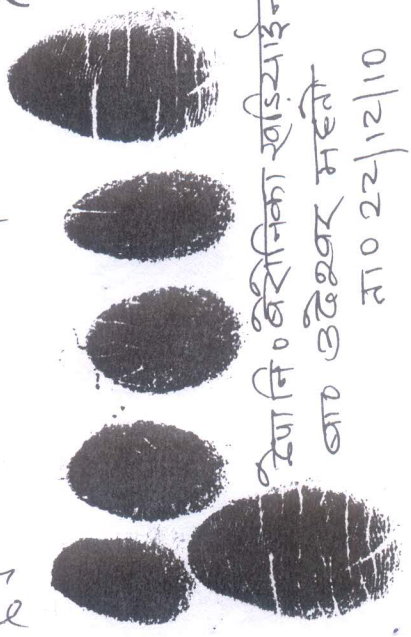

टिप नि० बेरोनिका खड़ियाइन
का उद्देश्य सही
ता० 22/12/10

... भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1908 की धारा ...4.6.(1)... P.20.. (e) के अधीन
... भारतीय स्टाम्प अधिनियम (इंडियन स्टाम्प एक्ट) 1899 की अनुसूची ... या 1 क संख्या 23 ... यथावत स्टाम्प ... रहित (या स्टाम्प शुल्क ...) ... शुल्क अपेक्षित नहीं है।

23 IA with the Permission by S.D.O. Simdega vide case no. 126/2010-11 order dated 12.10.10

22.12.10

(1) लेख्यकारिणी:- बेरोनिका खड़ियाइन पति स्व० रेमन खड़िया, जाति- खड़िया, पेशा- खेती गृहस्थी, निवास ग्राम- सलडेगा, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. .. .. बिक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 791 / 2010

राजेश ...
पिता- श्री टिबुरसियुस कुजूर
ग्राम- कुरडेग
थाना + जिला - सिमडेगा
ता: 22/12/2010

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.

Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

§2§ लेख्यधारिणी:- श्रीमती जोसफिन टोप्पो पति श्री अन्द्रेस लकड़ा, जाति- उराँव, पेशा- खेती गृहस्थी, निवास ग्राम- रिगड़ी, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

·· भारतीय नागरिक ·· क्रेतिका ।

शपथ-पत्र संख्या:- 792/2010

§3§ लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

§4§ मूल्य:- मोबलिग एक लाख छेयालिस हजार रुपये अंके 1,46,000/- रुपये होता है ।

§5§ सम्पति:- एराजियात अन्दर मौजा- सलडेगा खास, थाना- सिमडेगा, थाना नं0 117, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं0 73 §तिहत्तर§ प्लॉट नं0 538 §पाँच सौ अड़तीस§ रकबा 0·36 एकड़ में से 0·10 एकड़ §दस डिसमिल§ आवासीय जमीन, जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नही है ।

जिसकी चौहद्दी:-

उत्तर:- टेना खड़िया का दोन प्लॉट नं0 537,

दक्षिण:- इसी प्लॉट का अंश हाल खरीदगी,

मूल नि० वेरोनिका खड़ियाइन
ला० उदेश्वर महतो
ता० 22/12/10

पहचानकर्ता ...
पिता ...
ग्राम ...
थाना ...
जिला - सिमडेगा
22.12.2010

पूरब :- इसी प्लॉट का अंश रास्ता छोड़ा हुआ 12 फीट का कच्ची,
पश्चिम:- प्लॉट नं0 523 टाड़ ।
मालगुजारी 5 पैसा (पाँच पैसा) अलावे सेस सलाना ।

(1) चूँकि मुझ लेख्यकारिणी को नया मकान बनाने एवं अन्य दीगर घरेलू खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे बगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

(2) इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

(3) मैं प्रतिज्ञा करती हूँ कि वर्णित बिक्रीत जमीन को मैंने वजरिये दान पत्र संख्या 93/65 दिनांक 13·2·1965 ई0 को

100Rs.

पूरब :- इसी प्लॉट का अंश रास्ता छोड़ा हुआ 12 फीट का कच्ची,
पश्चिम:- प्लॉट नं0 523 टाड़ ।
मालगुजारी 5 पैसा ﴾पाँच पैसा﴿ अलावे सेस सलाना ।

﴾1﴿ चूँकि मुझ लेख्यकारिणी को नया मकान बनाने एवं अन्य दीगर घरेलू खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

﴾2﴿ इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

﴾3﴿ मैं प्रतिज्ञा करती हूँ कि वर्णित बिक्रीत जमीन को मैंने वजरिये दान पत्र संख्या 93/65 दिनांक 13·2·1965 ई0 को

ता० 22/12/10

100 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

गुजु खड़िया पिता स्व० राने खड़िया साकिन- सलडेगा से दान में हासिल की हूँ । बाद हासिल के उक्त जमीन पर मेरा शांतिपूर्ण दखल कब्जा है । वर्तमान जमाबन्दी मेरे नाम से कायम है तथा मालगुजारी की रसीद भी मेरे नाम से कटता है । जमीन पर किसी किस्म का भार झगड़ा झंझट या वारदेन नहीं है ।

{4} चूंकि हक उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अत: जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् अनुमण्डल पदाधिकारी, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद संख्या 126/2010-11 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 12.10.10 को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं0 956{ii} दिनांक 12.10.2010 है ।

{5} अब चाहिए कि लेख्यधारिणी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

{6} इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

ता० 27/12/10

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

--5--

मैं लेख्यकारिणी यह घोषणा करती हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

टेपा नि० बेरोनिका खड़ियाइन
बा० उदेश्वर महतो
ता० 22/12/10

टेपा नि० बेरोनिका खड़ियाइन बा० उदेश्वर महतो ता० 22/12/10

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारणी के बांए हाथ की पांचो अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

Basant Kumar
Advocate
22/12/10

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कूल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

Josephine Toppo
22. 12. 2010

Josephine Toppo

Attested by
Advocate
22/12/10

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारणी के बांए हाथ की पांचो अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

Basant Kumar
Advocate
22/12/10

50 Rs.

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५०रू. FIFTY RUPEES 50RS.

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एव उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- Basant Kumar

(प्रारूपकर्त्ता) Advocate

तारीख:- 22/12/10

ता० 22/12/10

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कूल छः पृष्ठों में कूल 586 शब्द टंकित है जो खण्डन रीहत वो नक्सा सहित है ।

टंकक

मो० मकसूद 22-12-2010

मो० मकसूद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।